अध्याय : 6

रोजगार की प्रकृति और कार्य का स्वरूप

रोजगार की प्रकृति और कार्य का स्वरूप

भारत में सर्वव्यापी निर्धनता के कारण अनेक बच्चे खेतों, होटलों, निर्माण कार्यों, दुकानों तथा अन्य कई औद्योगिक एवं अन्य प्रतिष्ठानों में श्रमिक के रूप में कार्य करने के लिए विवश होते हैं। औद्योगिक क्रान्ति के प्रारम्भिक काल में तो बड़ी कम उम्र के, यहाँ तक कि पाँच–सात साल के बच्चों को कारखानों में काम पर लगाया जाता था। बाद में श्रम अधिनियमों के अन्तर्गत निर्धारित उम्र से कम के बच्चों के नियोजन पर प्रतिबंध लगाया गया और नियोजन की इस न्यूनतम उम्र में क्रमशः वृद्धि की गई। आज कारखानों, खानों, बागानों तथा कई प्रकार के अन्य प्रतिष्ठानों में निर्धारित उम्र से कम के बच्चों (सामान्यतः 14 वर्ष से कम) के नियोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इन प्रतिबन्धों के बावजूद कई स्थानों तथा अधिनियमों के अन्तर्गत नहीं आने वाले नियोजनों में अनेक बाल श्रमिक कार्यरत हैं।

बाल श्रमिकों का अनेक प्रकार से शोषण किया जाता है। उनहें कार्य के अनुपात में बहुत कम मजदूरी दी जाती है। इनके कार्य के घण्टे भी अधिक हैं। इन्हें कठिन कार्य की दशाओं में काम

करना पड़ता है। कई बाल श्रमिकों, विशेषकर घरेलू नौकरों को कई प्रकार की यंत्रणाएँ भी सहनी पड़ती हैं। बच्चों से उनकी शारीरिक क्षमता से ज्यादा कार्य करना पड़ता है। उनके नियोजन के घण्टे अधिक रखे जाते हैं, जो उनके मनोरंजन एवं आराम में खलल डालते हैं। उनकी मजदूरी भी उनके द्वारा किये गये कार्य के अनुरूप नहीं दी जाती। उनका व्यवसाय या उत्पादन प्रक्रिया उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के अनुकूल नहीं होती।

आपके रोजगार का स्वरूप क्या है?

उत्तरदाताओं से ज़ानकारी प्राप्त की गयी कि आपके रोजगार का स्वरूप क्या है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है–

सारणी संख्या – 6.1

रोजगार का स्वरूप

स्वरूप	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
स्थायी	60	20.00
अस्थायी	240	80.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.1 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 20. 00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके रोजगार का स्वरूप

स्थायी है तथा सर्वाधिक 80.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके रोजगार का स्वरूप अस्थायी हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (80.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनके रोजगार का स्वरूप अस्थायी हैं।

आपको किसी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपको किसी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.2

आपको किसी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त है

प्रशिक्षिण प्राप्त है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	110	36.67
नहीं	190	63.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.2 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 36.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उन्होंने किसी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा 63.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार प्रशिक्षण नहीं किया हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (63.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उन्होंने किसी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है।

आप श्रम क्यों करते हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि वे श्रम क्यों करते हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.3

आप श्रम क्यों करते हैं

श्रम क्यों करते हैं	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
निर्धनता	99	33.00
अपनी आवश्यकता	90	30.00
माता–पिता	87	29.00
शिक्षा में अरूचि	24	8.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.3 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 33.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उन्होंने अपने श्रम करने का कारण निर्धनता को बताया, 30.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपनी आवश्यकता को, 29.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माता–पिता तथा 8.33 प्रतिशत ऐसे उत्तरदाता हैं जो कि शिक्षा में अरूचि के कारण श्रम करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (99.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे निर्धनता के कारण श्रम करते हैं।

आपको श्रम की अभिप्रेरणा कहाँ से मिली?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपको श्रम की अभिप्रेरणा कहाँ से मिली? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.4

आपको श्रम की अभिप्रेरणा कहाँ से मिली

अभिप्रेरणा कहाँ से मिली	आवृत्ति	प्रतिशत
माता–पिता	110	36.67
भाई–बहन	90	30.00
स्वयं	60	20.00
अन्य	40	13.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.4 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 36.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार आपको श्रम की अभिप्रेरणा माता–पिता से मिली, 30.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं को भाई–बहन से, 20.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार स्वयं तथा 13.33 प्रतिशत

उत्तरदाताओं के अनुसार उनको श्रम की अभिप्रेरणा अन्य से मिली है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (36.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको श्रम की अभिप्रेरणा उनको माता–पिता से मिली।

आप कितने घण्टे कार्य करते हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आप कितने घण्टे कार्य करते है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.5

आप कितने घण्टे कार्य करते है

कितने घण्टे कार्य करते हैं	आवृत्ति	प्रतिशत
3 – 6	142	47.33
7 – 9	89	29.67
10 – 12	60	20.00
12 से अधिक	9	3.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.5 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 47.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे 3 से 6 घण्टे तक कार्य

करते हैं, 29.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार 7 से 9 घण्टे तक कार्य करते हैं, 20.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार 10 से 12 घण्टे तक कार्य करते हैं तथा मात्र 3.00 प्रतिशत ऐसे उत्तरदाता हैं जो 12 से अधिक घण्टे तक कार्य करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (47.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे 3 से 6 घण्टे तक कार्य करते है।

क्या आप एक से अधिक जगह काम करते हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आप एक से अधिक जगह काम करते है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.6

आप एक से अधिक जगह काम करते हैं

प्रशिक्षिण प्राप्त है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	90	30.00
नहीं	210	70.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.6 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 30.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे एक से अधिक जगह काम

करते हैं तथा 70.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे एक से अधिक जगह काम नहीं करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (70.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे एक से अधिक जगह काम नहीं करते है।

आप कार्य अपनी मर्जी से करते हैं या मजबूरी वश?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आप कार्य अपनी मर्जी से करते हैं या मजबूरीवश। प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.6

आप कार्य अपनी मर्जी से करते हैं या मजबूरी वश

विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
अपनी मर्जी से	75	25.00
मजबूरीवश	225	75.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.6 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 25.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे कार्य अपनी मर्जी से करते हैं तथा 75.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे मजबूरीवश कार्य करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (75.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे कार्य मजबूरीवश करते है।

क्या आपको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जाता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जाता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 6.7

आपको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जाता है

प्रताड़ित किया जाता है	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	125	41.67
नहीं	175	58.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.7 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 41.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जाता है तथा 58.33 प्रतिशत

उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित नहीं किया जाता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (58.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्य न करने की दशा में परिवार द्वारा प्रताड़ित नहीं किया जाता है।